डाक विभाग,भारत / Department of Posts,India
मुख्य पोस्टमास्टर जनरल का कार्यालय,ओड़िशा परिमंडल
O/o the Chief Postmaster General, Odisha Circle
भुवनेश्वर / Bhubaneswar-751001

संख्या.पीएचआईएल / 52–8 / 2023–24	दिनांक 27.07.2023

अधिसूचना

"नए भारत के लिए डिजिटल इंडिया" विषयवस्तु पर वर्ष 2023-24 के लिए राष्ट्रीय स्तर का ढाई आखर पत्र लेखन अभियान

डाक विभाग की एक पहल 'ढाई आखर ' पत्र लेखन प्रतियोगिता न केवल पत्र लेखन की कला को बढ़ावा देती है बल्कि राष्ट्र से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर प्रतिभागियों के बीच रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को भी बढ़ावा देती है। डाक विभाग 2017 से राष्ट्रीय स्तर, ढाई आखर, पत्र लेखन प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है जिसमें भारी संख्या में प्रतिभागी भाग ले रहे हैं ।

इस वर्ष ढाई आखर पत्र लेखन अभियान 01.08.2023 से शुरू होकर 31 अक्टूबर 2023 तक चलेगा। 31.10.2023 के बाद पोस्ट किए गए पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

ढाई आखर पत्र लेखन अभियान 2023-24 का विवरण इस प्रकार है:

1.**उद्देश्य**

शोध से पता चलता है कि लिखावट एक मूलभूत कौशल है जो छात्रों के पढ़ने, लिखने, भाषा के उपयोग और आलोचनात्मक सोच को प्रभावित कर सकता है। मस्तिष्क के विकास में इसकी अहम भूमिका होती है। कक्षा में प्रौद्योगिकी के साथ-साथ बच्चों को लिखना सिखाना आवश्यक है, क्योंकि यह अन्य शैक्षणिक विषयों में सफलता को बढ़ावा देता है।आज की तेज़ रफ़्तार दुनिया में, जहाँ संचार बड़े पैमाने पर डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर स्थानांतरित हो गया है, पत्र लिखने की कला पीछे रह गई है। हालाँकि, पत्र हमारे दिलों में एक विशेष स्थान रखते हैं क्योंकि वे अपने साथ पुरानी यादों, गर्मजोशी और व्यक्तिगत स्पर्श की भावना रखते हैं जिसे टेक्स्ट संदेश या ईमेल में दोहराना मुश्किल है।

ढाई आखर राष्ट्रीय स्तर का पत्र लेखन अभियान न केवल पत्र लेखन की कला का उत्सव है, बल्कि यह देश भर के व्यक्तियों के लिए अपने विचारों, भावनाओं और विचारों को सार्थक और हार्दिक तरीके से व्यक्त करने का एक अवसर भी है। यह रचनात्मकता, मौलिकता और आत्म-अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करता है और व्यक्तियों को अपने लेखन कौशल और प्रतिभा को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। ढाई आखर राष्ट्रीय स्तर का पत्र लेखन अभियान न केवल पत्र लेखन की कला को बढ़ावा देता है बल्कि प्रतिभागियों के बीच रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को भी बढ़ावा देता है।

2. **<u>योजना का विवरण</u>**

ढाई आखर भारत के नागरिकों के लिए डाक विभाग द्वारा निर्धारित थीम/विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर की पत्र लेखन प्रतियोगिता है। प्रतिभागी संबंधित मुख्य पोस्टमास्टर जनरल को संबोधित करते हुए विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एक पत्र लिखेंगे जो पहले परिमंडल स्तर और फिर निदेशालय स्तर पर शॉर्टलिस्ट होने पर नकद पुरस्कार के लिए पात्र होंगे।

3. **<u>सामान्य शर्तें</u>**

आवधिकता: ढाई आखर राष्ट्रीय स्तर की पत्र लेखन प्रतियोगिता हर साल अधिमानतः अगस्त से अक्टूबर तक आयोजित की जाती है। अभियान 01*अगस्त से 31*अक्टूबर (तीन माह) तक चलेगा। वर्ष के 31* अक्टूबर के बाद पोस्ट किए गए पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

विषय: "नए भारत के लिए डिजिटल इंडिया"।

भाषा: पत्र अंग्रेजी या हिंदी या किसी स्थानीय भाषा में लिखा जा सकता है।

श्रेणियाँ: प्रतियोगिता निम्नलिखित श्रेणियों में होगी:

(i) **18 वर्ष तक**:-

(ए)अंतर्देशीय पत्र कार्ड श्रेणी

(बी)लिफाफा श्रेणी

(ii) **18 वर्ष से अधिक**:-

(ए)अंतर्देशीय पत्र कार्ड श्रेणी

(बी)लिफाफा श्रेणी

अनुमत स्टेशनरी: सादे ए-4 आकार के कागज पत्र और अंतर्देशीय पत्र कार्ड (आईएलसी) के लिए मोहर लगा हुआ लिफाफा/उभरा हुआ लिफाफा अनुमत स्टेशनरी होगा। पत्र सादे ए-4 आकार के कागज पर 1000 शब्दों से अधिक की शब्द सीमा के साथ या अंतर्देशीय पत्र कार्ड (आईएलसी) (500 शब्दों से अधिक नहीं) में लिखा जा सकता है। पत्र हस्तलिखित होना चाहिए और किसी भी स्थिति में कोई भी टाइप किया हुआ पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

4. **पात्रता**

इस प्रतियोगिता में भारत का कोई भी नागरिक भाग ले सकता है। भागीदारी के लिए कोई न्यूनतम या अधिकतम आयु निर्धारित नहीं है। भारत का कोई भी नागरिक अपनी पसंद और उम्र के अनुसार संबंधित श्रेणी में भाग ले सकता है। प्रतिभागियों को पत्र पर अपनी आयु का प्रमाण पत्र देना होगा जैसे "मैं प्रमाणित करता हूं कि मैं 01/01/2023 को 18 वर्ष से कम/अधिक हूं"। विजेता प्रविष्टियों के मामले में, संबंधित सर्कल प्रत्येक श्रेणी में 03 सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों को निदेशालय भेजने से पहले आयु और अन्य आईडी प्रमाणपत्रों का सत्यापन करेगा।

5. **चयन प्रक्रिया**

प्रत्येक श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ 03 (तीन) प्रविष्टियों को प्रत्येक सर्कल द्वारा शॉर्टलिस्ट किया जाएगा और इन 03 प्रविष्टियों को सर्कल स्तर पर पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सर्कल स्तर पर चुनी गई प्रत्येक श्रेणी की इन सर्वश्रेष्ठ 03 प्रविष्टियों (कुल 12) को राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक श्रेणी में अंतिम सर्वश्रेष्ठ 03 प्रविष्टियों के आगे मूल्यांकन के लिए निदेशालय को भेजा जाएगा।

6. प्रत्येक श्रेणी में सर्कल स्तर और राष्ट्रीय स्तर के पत्रों के विजेताओं को दी जाने वाली पुरस्कार राशि इस प्रकार है:

सर्कल स्तर पर प्रत्येक श्रेणी में विजेताओं को दिया जाने वाला पुरस्कार:

परिमंडल स्तर पर प्रत्येक वर्ग में विजेताओं को दिया जाने वाला पुरस्कार

पुरस्कार वर्ग	**पुरस्कार राशि**
प्रत्येक वर्ग में प्रथम पुरस्कार	रू.25,000/–(पच्चीस हजार रूपये मात्र)
प्रत्येक वर्ग में द्वितीय पुरस्कार	रू.10,000/–(दस हजार रूपये मात्र)
प्रत्येक वर्ग में तृतीय पुरस्कार	रू.5,000/–(पांच हजार रूपये मात्र)

राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक वर्ग में विजेताओं को दिया जाने वाला पुरस्कार

पुरस्कार वर्ग	**पुरस्कार राशि**
प्रत्येक वर्ग में प्रथम पुरस्कार	रू.50,000/–(पचास हजार रूपये मात्र)
प्रत्येक वर्ग में द्वितीय पुरस्कार	रू.25,000/–(पच्चीस हजार रूपये मात्र)
प्रत्येक वर्ग में तृतीय पुरस्कार	रू.10,000/–(दस हजार रूपये मात्र)

सहायक निदेशक (फिलाटेली)/Asst. Director(Philately)
मुख्य पोस्टमास्टर जनरल का कार्यालय/O/o the Chief Postmaster General
ओड़िशा परिमंडल/Odisha Circle, भुवनेश्वर/ Bhubaneswar-751001

ढाई आखर के विषय पर मुख्य टिप्पणी "नए भारत के लिए डिजिटल इंडिया"

नए भारत के लिए डिजिटल इंडिया " एक नारा है जो भारत की प्रगति और परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के दृष्टिकोण को समाहित करता है। यह तकनीकी रूप से उन्नत और समावेशी समाज बनाने के लक्ष्य के साथ नागरिकों को डिजिटल बुनियादी ढांचे, सेवाओं और डिजिटल साक्षरता के साथ सशक्त बनाने की भारत सरकार की पहल का प्रतिनिधित्व करता है। यहां डिजिटल इंडिया के कुछ प्रमुख पहलू और नए भारत को आकार देने पर इसका प्रभाव दिया गया है ।

1. डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर: डिजिटल इंडिया पूरे देश में डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी का विस्तार करना, सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट स्थापित करना और सभी के लिए तेज़ और विश्वसनीय इंटरनेट पहुंच का समर्थन करने के लिए डिजिटल आधार को मजबूत करना शामिल है।

2. डिजिटल गवर्नेंस: यह पहल सरकारी प्रक्रियाओं और सेवाओं के डिजिटलीकरण पर जोर देती है ताकि उन्हें नागरिकों तक आसानी से पहुँचाया जा सके। इसमें ई-गवर्नेंस, डिजिटल पहचान (आधार), डिजिटल लॉकर और ई-प्रोक्योरमेंट और ई-टेंडरिंग जैसे प्लेटफॉर्म, पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देने जैसी पहल शामिल हैं।

3. डिजिटल साक्षरता: डिजिटल इंडिया का लक्ष्य डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देकर डिजिटल विभाजन को पाटना है। यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम और पहल शुरू की गई हैं कि जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकियों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें। इसमें प्रशिक्षण कार्यक्रम, डिजिटल साक्षरता अभियान और कौशल विकास पहल शामिल हैं।

4. डिजिटल अर्थव्यवस्था: यह पहल आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने में डिजिटल प्रौद्योगिकियों की भूमिका को पहचानती है। यह उद्यमिता को बढ़ावा देने, स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने और डिजिटल अर्थव्यवस्था के विकास को सुविधाजनक बनाने पर केंद्रित है। डिजिटल भुगतान, भारतनेट और स्टार्ट-अप इंडिया जैसी पहलों का उद्देश्य डिजिटल उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देना है ।

5. डिजिटल सेवाएँ: डिजिटल इंडिया का लक्ष्य आवश्यक सेवाओं को डिजिटल माध्यम से नागरिकों के करीब लाना है डिजिटल लॉकर, ई-हॉस्पिटल, ई-एजुकेशन और ई-पंचायत जैसी पहल स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और सरकारी योजनाओं जैसी सेवाओं तक सुविधाजनक और कुशल तरीके से पहुंच संभव बनाती हैं।

6. साइबर सुरक्षा: डिजिटल अपनाने में वृद्धि के साथ, साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। डिजिटल इंडिया नागरिकों के आंकड़े और गोपनीयता की सुरक्षा के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा बुनियादी ढांचे, नीतियों और जागरूकता के महत्व पर जोर देता है। साइबर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति और साइबर स्वच्छता केंद्र जैसी पहल शुरू की गई हैं।

7. सभी के लिए डिजिटल कनेक्टिविटी: डिजिटल इंडिया का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण और हाशिए पर रहने वाले समुदायों सहित समाज के सभी वर्गों की डिजिटल सेवाओं तक पहुंच हो। सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) जैसी पहल जमीनी स्तर पर सरकारी सेवाओं, बैंकिंग और अन्य डिजिटल सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करती है। "न्यू इंडिया के लिए डिजिटल इंडिया" का दृष्टिकोण एक डिजिटल रूप से सशक्त राष्ट्र की कल्पना करता है जहां प्रौद्योगिकी सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन के लिए एक प्रवर्तक के रूप में कार्य करती है। डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर, भारत का लक्ष्य अपने नागरिकों के लिए अवसर पैदा करना, अंतरालों को पाटना और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करना है, जो अंततः देश की वृद्धि और विकास में योगदान देता है।